Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding harrasment of non-Mizos working in Mizoram Gramin Bank.

श्री संतोष कुमार (पूर्णिया): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं ।

महोदय, एक अत्यंत गंभीर मामला, जो मिजोरम प्रान्त से जुड़ा हुआ है । मिजोरम ग्रामीण बैंक (एमआरबी) में देश के अन्य भागों जैसे बिहार, राजस्थान, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा आदि राज्यों के जो युवक नौकरी कर रहे हैं, उनको वहां जान-माल का खतरा पैदा हो गया है । भाषा को आधार बनाकर मिजोरम स्टूडेंट्स यूनियन नॉन-मिजोरम वासियों को प्रताड़ित कर रही है, उन लोगों को विभिन्न प्रकार से धमकियां दी जा रही हैं । यहां तक कि उन्हें मिजोरम ग्रामीण बैंक से नौकरी छोड़ने को कहा जा रहा है । महोदय, अभी पिछले दिनों मुझे मिजोरम ग्रामीण बैंक के लगभग 18 कर्मचारियों, जो खासकर बिहार, राजस्थान, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा आदि प्रान्तों से हैं और वहां काम कर रहे हैं, पत्र के माध्यम से और दूरभाष के माध्यम से इसकी जानकारी दी है । इनमें मेरे संसदीय क्षेत्र के भी कई लोग हैं । उनकी यह स्थिति हो गई है कि वे घर के अंदर बन्द हैं और लोकल पुलिस भी उनको ड्यूटी पर जाने से रोकती है, कहती है कि आप ड्यूटी मत करो । जो मिजोरम ग्रामीण बैंक के बड़े अधिकारी हैं, वे भी उनको रोकते हैं । मैं सरकार से मांग करता हूं, गृह मंत्री जी से मांग करता हूं कि इसको संज्ञान में लें और इसका हल निकालें । वहां पर जो बेरोजगार युवक बैंकों या अन्य संस्थाओं में नौकरी कर रहे हैं, उनको सुरक्षा देने का काम करें, उनको संरक्षण देने का काम करें, क्योंकि उनके घर-परिवार वाले उनकी चिन्ता कर रहे हैं । उन लोगों को बचाया जा सके, इसके लिए उनको वहां सुरक्षा दी जाए । यह मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से मांग करता हूं । **...(व्यवधान)**

माननीय सभापति: डॉ. मनोज राजोरिया ।

श्री संतोष कुमार : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं यह विषय उनके ध्यान में लाना चाहता हूं ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति: डॉ. मनोज राजोरिया ।